

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 192] नई दिल्ली, बुधवार, जून 5, 1975/ज्येष्ठ 15, 1897

No. 192] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 5, 1975/JYAISTHA 15, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

*New Delhi, the 5th June 1975*

**S.O. 251(E).**—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works connected with the supply of electrical energy to the public, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited, Neyveli, in the State of Tamil Nadu) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months with effect from 5th June, 1975.

[No. F.S-42025/5/75-DKIA]

T. S. SANKARAN, Jt. Secy.

**धन सञ्चालय**

**आदेश**

नई दिल्ली, 5 जून, 1975

**का० प्रा० 251(अ).—**यतः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाएं बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है ;

और यतः तमिल नाडु राज्य में जनता के लिए विद्युत ऊर्जा के प्रदाय अथवा इस प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण (जिसे तमिल नाडु राज्य में नेत्रेली लिग्नाइट कारपोरेशन लिमिटेड, नेत्रेली से सम्बद्ध, जनता को विद्युत् ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण से संबंधित संकर्म भी शामिल है) से सम्बद्ध सेवाओं में कोई हड़ताल समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, उक्त सेवाओं में हड़तालें रोकना आवश्यक और समीचीन है :—

अतः, अब, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाओं में किसी औद्योगिक विवाद से सम्बन्धित किसी हड़ताल को 5-6-1975 से छः मास की अवधि के लिए प्रतिषिद्ध करती है।

[सं० फा० एस०-42025/7/75-डी० के० आर्षि० ए०]

टी० एस० शंकरन, संयुक्त सचिव।